असि.प्रो. चन्दन कुमार
भूगोल विभाग
उदय प्रताप स्वायत्तशासी कॉलेज वाराणसी

CHANDANBHU891@GMAIL.COM

चरम घटना (Extreme Events)

प्रकोप (Hazards)

आपदा (DISATER) का अर्थ व परिभाषा

CHANDANBHU891@GMAIL.COM

चरम घटना (Extreme Events)

प्राकृतिक एवं मानव जनित कारणों से उत्पन्न वे सामान्य घटनाएं या दशाएं जो जीवन जगत के लिए आपदाएं उत्पन्न कर देती हैं चरम घटना कहलाती है।

प्राकृतिक चरम घटनाओं में शीतलहर, तापलहर, सूखा, बाढ़ आदि सम्मिलित है ।

विषैली गैसों का रिसाव, परमाणु विस्फोट ,जहाजों में तेल का रिसाव, आतंकवादियों द्वारा विस्फोट आदि मानव जनित चरम घटनाओं के उदाहरण हैं।

प्रकोप (Hazards)

प्रकोप (Hazards) प्राकृतिक या मानव जनित कारणो से उत्पन्न उन चरम घटनाओं को प्रकोप या संकट(Hazard) कहते हैं, जो किसी भी तंत्र की सहनशक्ति की सीमा को पार कर जाती है

मानव अधिवास के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ आयोग (United Nation Commission on Human settlement UNCHS) के अनुसार , प्रकोप ऐसी क्षति कारक भौतिक घटना होते हैं, जिनमें मानव अधिवासो को अपार क्षति पहुंचाने की क्षमता होती है ,यदि यह मानव रहित क्षेत्रों में आते हैं, तो चरम घटना बन कर रह जाते हैं। यदि प्रकोप आबादी क्षेत्रों में आते हैं तो आपदा भी छिपी रहती है अर्थात प्रकोप (संकट) आपदा की आशंका के रूप में हो सकते हैं।

CHANDANBHU891@GMAIL.COM

प्रकोप

जैविक प्रकोप (Biological Hazards) बैक्टीरिया, वायरस या कीटों के कारण उत्पन्न होते हैं

रासायनिक प्रकोप (Chemical Hazards) रसायनों की प्रकृति पर आधारित होते हैं, (जैसे - विषैली गैस रिसाव),

भू -प्रकोप (geo -hazards) भूगर्भिक प्रक्रिया के कारण उत्पन्न (जैसे -भूकंप) आदि।

आपदा का अर्थ व परिभाषा

अंग्रेजी के (DISASTER) शब्द का हिंदी पर्याय है, आपदा। यह मूल फ्रेच शब्द (Disastre) से बना है, जिसका अर्थ है 'बुरा तारा'।

आपदा से अभिप्राय प्राकृतिक अथवा मानव जनित ऐसी अनपेक्षित घटना से है, जिसके कारण प्रभावित क्षेत्र में जन-धन की अपार क्षति होती है तथा मानव के क्रिया-कलाप अवरुद्ध हो जाते हैं। कोई भी संकट या प्रकोप उस स्थिति में आपदा बनता है , जब वह मानव के रिहायसी क्षेत्र में आकार व्यापक क्षति का कारण बनता है ।

डॉ सविंद्र सिंह (Dr.Savindra Singh) के अनुसार, “ प्राकृतिक या मानव जनित उन घटनाओं को प्राकृतिक आपदा कहते हैं, जो प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र के जैविक तथा अजैविक संघटकों की सहनशक्ति से बहुत अधिक हो जाती है उनके द्वारा उत्पन्न परिवर्तनों के साथ समायोजन कठिन हो जाता है, पलयकारी स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जनधन की अपार हानि होती है तथा यह चरम घटनाएं विश्व स्तर पर विभिन्न समाचार माध्यम में की प्रमुख सुर्खियां बन जाती है ”

आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 2 (डी) के अनुसार, ‘‘आपदा का अर्थ किसी भी क्षेत्र में प्राकृतिक या मानव निर्मित कारणों से होने वाली दुर्घटना, घटना, आपदा या गंभीर घटना, या दुर्घटना या लापरवाही से है जिसके परिणामस्वरूप जीवन का पर्याप्त नुकसान होता है या मानव पीड़ा या क्षति, और संपत्ति का विनाश , या क्षति, या पर्यावरण का क्षरण होता है तथा वह घटना ऐसी प्रकृति और परिमाण की हो जिस से उभर पाना प्रभावित क्षेत्र के समुदाय की क्षमता से परे हो।”

CHANDANBHU891@GMAIL.COM